

पुनश्च, 17.09.2018 :-

माननीय सत्र न्यायालय सागर से जमानत आवेदन क्रमांक 1176/2018 मय केस डायरी प्राप्त।

आवेदक/अभियुक्त संतोष प्रजापति की ओर से श्री महेश झा अधिवक्ता उपस्थित।

अनावेदक/राज्य की ओर से श्री राजेश त्रिवेदी लोक अभियोजक उपस्थित।

आवेदक की ओर से बृजेश वल्द संतोष प्रजापति, आयु करीब 25 वर्ष, निवासी ऐरन मिर्जापुर, थाना राहतगढ़, जिला सागर ने एक शपथपत्र इस आशय का प्रस्तुत किया कि अभियुक्त/आवेदक संतोष उसका पिता है तथा उसने श्री महेश झा एवं श्री रामकृष्ण खरे को अधिवक्ता नियुक्त किया है तथा यह प्रथम जमानत आवेदन है। अन्य कोई आवेदन किसी अन्य न्यायालय अथवा माननीय उच्च न्यायालय में लंबित नहीं है।

उभयपक्ष के तर्क आवेदक की ओर से प्रस्तुत आवेदन अंतर्गत धारा 439 दं.प्र.सं. पर सुने एवं केस डायरी का अवलोकन किया।

आवेदक की ओर से प्रस्तुत जमानत आवेदन धारा 439 दं.प्र.सं. संक्षेप में इस प्रकार है कि आवेदक थाना राहतगढ़ पुलिस ने दिनांक 05.09.2018 को आवेदक को गिरफ्तार कर श्री अमित सिसोदिया, न्या. मजि.प्र.श्रेणी, सागर के न्यायालय में पेश किये जाने पर उसे अभिरक्षा में भेज दिया गया है तथा उसका धारा 437 दं.प्र.सं. का आवेदन दिनांक 14.09.2018 को निरस्त कर दिया गया है। आवेदक निर्दोष है, उसने कोई अपराध नहीं किया है, उसे एवं उसके भाई को थाने पर बुलाकर पुलिस अभियान के तहत 15-20 पाव शराब का प्रकरण बना देने का कहे जाने पर पुलिस से हुई कहासुनी के कारण उसके विरुद्ध झूठा प्रकरण बनाया गया है। आवेदक छोटा पान का टपरा किये हुए है, जिसमें मात्र बैठने की जगह है और उसमें तथाकथित शराब नहीं रखी जा सकती। वह ग्राम ऐरन मिर्जापुर, जिला सागर का स्थाई निवासी है। उसके फरार होने की संभावना नहीं है। वह न्यायालय की संतुष्टि योग्य जमानत प्रस्तुत करने हेतु तैयार है। अतः उसे जमानत पर रिहा किया जाये।

आवेदक की ओर से उक्तानुरूप ही तर्क किये गये थे, जबकि लोक अभियोजक श्री राजेश त्रिवेदी ने कोई लिखित जवाब न देते हुये मौखिक रूप से जमानत आवेदन निरस्त किये जाने हेतु निवेदन किया गया।

पुलिस थाना राहतगढ़, जिला सागर के अपराध क्रमांक 459/2018 अंतर्गत धारा 34(2) आबकारी अधिनियम की केस डायरी का परिशीलन किया, जिससे दर्शित होता है कि दिनांक 05.09.2018 को थाना प्रभारी/निरीक्षक राजेश सिंह द्वारा राहतगढ़ भ्रमण के दौरान मुखबिर से ऐरन मिर्जापुर में आवेदक द्वारा चाय पान की दुकान में अवैध रूप से शराब बेचने की सूचना प्राप्त होने पर तत्पक्ष एवं कार्यवाही हेतु विदिशा तिराहा से दो स्वतंत्र साक्षी साथ लेकर हमराह स्टाफ के ग्राम ऐरन मिर्जापुर में आवेदक की दुकान पर पहुंचा तो आवेदक पुलिस को देखकर घबराने लगा, जिसका नाम पूछने पर उसने संतोष कुमार प्रजापति बताया। सूचना की तत्पक्ष करने पर आवेदक ने दुकान के काउंटर के नीचे से शराब निकालकर पेश की, जिसे रखने व बेचने का लाईसेंस मांगे जाने पर आवेदक ने उक्त लाईसेंस न होना बताया। अतः गवाहों के समक्ष मौके पर आवेदक से देशी शराब मदिरा प्लेन की सात पेटियां, जिनमें कुल 350 क्वाटर व ब्लेक फोर्ट वियर की 09 बोतलें जप्त की गईं। आवेदक/अभियुक्त संतोष को गिरफ्तार किया गया। रवानगी एवं वापसी रोजनामचा सान्हा के आधार पर आवेदक/अभियुक्त के विरुद्ध थाना राहतगढ़, जिला सागर में अपराध क्रमांक 459/2018 की कायमी की गई।

केस डायरी का अवलोकन किया गया, जिससे स्पष्ट होता है कि इस मामले में दिनांक 05.09.2018 को संलग्न जप्ती पत्रक के मुताबिक आवेदक की चाय पान की दुकान से उसके आधिपत्य वाले स्थल से प्रश्नगत

अवैध मदिरा निरीक्षक राजेश सिंह द्वारा जप्त किया जाना दर्शाया है। मामले में विवेचना अपूर्ण है एवं आवेदक के विरुद्ध मामला असत्य रूप से पंजीबद्ध किया गया हो, ऐसा केस डायरी के अवलोकन से इस स्टेज पर प्रकट नहीं होता है। आवेदक की ओर से जो तथ्य आवेदन में प्रकट किये गये हैं कि आवेदक व उसके भाई की पुलिस से शराब का मामला बनवाने के संबंध में कहासुनी हो गई थी, उक्त समस्त तथ्य प्रकरण के अंतिम निराकरण के दौरान साक्ष्य अभिलिखित किये जाने के पश्चात ही सुगमतापूर्वक निराकृत किया जा सकता है। आवेदक के विरुद्ध पंजीबद्ध अपराध एवं अपराध में संलिप्तता गंभीर प्रकृति की होना प्रतीत होती है। अतः आवेदक को जमानत का लाभ दिया जाना उचित नहीं पाता हूं। फलतः आवेदक **संतोष प्रजापति** द्वारा प्रस्तुत जमानत आवेदन अंतर्गत धारा 439 दं.प्र.सं. **निरस्त** किया जाता है।

आदेश की प्रति मय थाना राहतगढ़, जिला सागर की केस डायरी वापस की जावे।

प्रकरण का परिणाम दर्ज कर दाखिल रिकार्ड किया जावे।

सही / -

(रामबिलास गुप्ता)

प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश,
सागर (म.प्र.)